नैतिकशिक्षा, व्यक्तित्व विकास एवं सामान्य ज्ञान

(गुणवत्त शिक्षाहेतु पहल)

1.1. प्रस्तावनाः

झारखण्डराज्य मेंविगत एक वर्षो सेविद्यालयोंमेंगुणवत्तशिक्षा एवं अध्ययनरतबच्चोंमेंपठन–पाठन के प्रति रूझान बढ़ानेहेतुअनेकपहलकियेगयेहैं । इसे एक अभियान के रूप मेंलियागयाहैतथाआजराज्य के सभीजिलोंमेंशिक्षकों द्वाराअपने–अपनेविद्यालय कोआदर्शविद्यालय के रूप मेंस्थापितकरनेमें बढ़–चढ़करपहल की जारहीहै ।

राज्य स्तरपरगुणवत्तशिक्षाके विभिन्नआयामों की पहचान की गईहैतथाइसेकार्यक्रम के रूप मेंलागूकियागयाहैताकिविद्यालय स्तरपर योजनाओं के अनुरूपपरिणामप्राप्तहोंऔरबच्चोंकोगुणवत्तशिक्षाप्राप्तहोसके ।

विगत एक वर्षो मेंराज्य स्तरपर समय–समय परकार्यशालाआयोजित की गईतथाइनकार्यशालाओंमेंप्राप्तसुझाव एवंराज्य साधनसेवी द्वारा उनके अपनेविद्यालय मेंकियेजारहेनवाचारीगतिविधियोंकागहनविश्लेषणकियागयाहै । कई ऐसीगतिविधियाँइसमेंप्राप्तहुईहैजिसकासमावेशविद्यालय स्तरपरसंचालितकार्यक्रमोंमेंकियागयाहै ।

दिनांक 20–21 फरवरी, 2016 कोझारखण्डअधिविद्य परिषद् के सभागारमेंआयोजितदोदिवसीय कार्यशालामेंनैतिकशिक्षा/व्यक्तित्वविकासपरविशेषचर्चा की गईतथाइसेविद्यालयोंमेंआवश्यक रूप सेलागूकरनेपरसहमतिदीगई ।

1.2 उद्देश्यः

जबहमशिक्षा की बातकरतेहैंतोसामान्य अर्थोमें यह समझा जाताहैकिइसमेंहमेंवस्तुगतज्ञानप्राप्तहोताहैतथाजिसके बल परहमकोईरोजगारप्राप्तकरसकतेहैं ।

समाज एवंदेश के लिए इसज्ञानकामहत्वभीहैक्योंकिशिक्षितराष्ट्र हीअपनेभविष्य कोसंवारनेमें सक्षमहोताहै । आजकोईभीराष्ट्र विज्ञानऔरतकनीककीमहत्ताकोअस्वीकारनहींकरसकता, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र

मेंइसकाउपयोगहै । वैज्ञानिकविधि काप्रयोगकृषिऔरपशुपालन के क्षेत्र मेंकरकेहीहमारेदेशमेंहरितक्रांतिऔर श्वेतक्रांतिलाईजासकीहै ।

अतः वस्तुपरकशिक्षाहर क्षेत्र मेंउपयोगीहै । परंतु जीवन मेंकेवलपदार्थहीमहत्वपूर्णनहींहै । पदार्थोंका अध्ययन आवश्यक है, राष्ट्र की भौतिकदशासुधारने के लिए जीवन मूल्योंकाउपयोगकरहमउन्नति की सहीराहचुनसकतेहैं ।

उपर्युक्तसंदर्भमें यह आवश्यक हैकिहमअपनेबच्चोंमेंनैतिकशिक्षा एवंव्यक्तित्वविकासकीबातों यथा–सत्य, क्षमा, दया, ईमानदारी, अहिंसा, अनुशासन, सहयोग, समाजसेवा, राष्ट्रीयता, मित्रताइत्यादि के बारेमेंजानकारीप्रदानकरेंतथाविद्यालय के अंदर ऐसामाहौलतैयारकरेंजिसमेंहमारेबच्चोंको इनके प्रतिसोचने एवं समझने काअवसरप्राप्तहोसके । बच्चोंमेंसहजवातावरणमेंदीगईप्रयोगात्मकसच्चाईयाँअधिकसहजतासेप्रवेशकरतीहै ।

शिक्षा के साथउपर्युक्तविषय–वस्तुओंकोजोड़नेका यह अर्थनहींहैकिहमबच्चोंको एक औरकिताबकाबोझडालदेंबल्किइसकासीधाअर्थहैकिहमविद्यालय परिसरको जीवन की एक प्रयोगशालाबनाकर एक अच्छेमाहौलमेंउपर्युक्तबिन्दुओंकासमावेशकरेंताकिवेव्यक्तिगत, समाज एवंदेश के लिए उपयोगीहोसकें ।

खेल–खेलमेंदीगईशिक्षा एवंज्ञानकोमनोरंजकबनाकरबताईगईबातेंबच्चों के लिए ज्यादाप्रभावीहोतीहै ।

वर्तमानसंदर्भमेंनैतिकशिक्षा एवंव्यक्तित्वविकाससेतात्पर्यनिम्नवत् हैः–

- बच्चोंकोसामाजिक रूप सेतैयारकरना
- बच्चोंमेंआत्मविश्वास एवंस्वाभिमान की भावनाविकसितकरना
- बच्चोंमेंअनुशासन, स्वविवेक, कर्तव्यनिष्ठातथासामुहिकभावनाकोजागृतकरना
- बच्चोंमेंपरिवार एवंसमाज के प्रतिसकारात्मकसोचविकसितकरना
- अपनेदेश एवंसमाज की जानकारीप्राप्तकरना
- दूसरों के प्रतिआदरएवंसहयोगकी भावनाविकसितकरनाइत्यादि

उपर्युक्तआलोकमेंराज्य के प्रत्येकविद्यालयोंमेंनैतिकशिक्षा, व्यक्तित्वविकास एवंसामान्य ज्ञानआधारितशिक्षणकोलागूकियाजानाहै । इसकासंचालनविद्यालय स्तरपरप्रत्येक शनिवारकोपूर्वाह्न 09:00 बजेसेअपराह्न 11:00 बजेतककियाजायेगा । इसकेअन्तर्गतवर्गकक्ष कासंचालननिम्नरूपेणकियाजासकताहै :–

दिवस	वर्ग	विषय–वस्तु
शनिवार	1 एवं 2	• शिक्षकों एवंबच्चों द्वाराहावभाव के साथकहानीतथाकवितापाठ/ वाचन • बच्चों द्वाराकलाकृतिकानिर्माण/ प्रदर्शन
	3 से 5	• बच्चों द्वाराप्रेरककहानी एवंकवितापाठ/ वाचन • गीतसंगीतकामंचन • प्रेरकविषय–वस्तुपरनिबंध लेखन • क्विजकाआयोजन • पेंटिंगकाआयोजन • पुस्तकालय मेंउपलब्ध पुस्तकोंका अध्ययन
	6 से 8	• बच्चों द्वाराप्रेरककहानी एवंकवितावाचन • गीतसंगीत एवंलघुनाटककामंचन • प्रेरकविषय–वस्तुपरनिबंध लेखन • क्विज/वाद–विवादकाआयोजन • विषय आधारितप्रोजेक्ट/मॉडलकानिर्माण एवंप्रदर्शन • विद्यालय एवंवर्गकक्ष कोप्रिंटरिचबनाना • पुस्तकालय मेंउपलब्ध पुस्तकोंका अध्ययन • दैनिकचर्यामेंअंग्रेजीभाषाकाप्रयोग (Spoken English)